मेसोपोटामिया के इतिहास के अध्ययन के प्रमुख स्रोत (Main Sources for the Study of Mesopotamian History)

मेसोपोटामिया की प्राचीन सभ्यता के अध्ययन के लिए उपलब्ध स्रोतों को मुख्यतः तीन प्रमुख श्रेणियों में बाँटा जा सकता है — पुरातात्त्विक स्रोत, साहित्यिक (लिखित) स्रोत, और अन्य सहायक स्रोत।

I. पुरातात्त्विक स्रोत (Archaeological Sources):

मेसोपोटामिया की खुदाई से प्राप्त भौतिक अवशेष इस सभ्यता के अध्ययन के सबसे विश्वसनीय और प्रमुख स्रोत हैं। यहाँ की अधिकांश इमारतें मिट्टी की ईंटों से बनी थीं, इसलिए खुदाई में प्रायः उनके खंडहर या मिट्टी के ढेर प्राप्त होते हैं।

नगरों के अवशेष (Ruins of Cities):

उर (Ur), उरुक (Uruk), बेबीलोन (Babylon), और नीनवे (Nineveh) जैसे प्रसिद्ध नगरों के खंडहरों की खुदाई से उनके नगर नियोजन, सड़कों, घरों और प्रशासनिक ढाँचे की जानकारी मिलती है।

ज़िग्गुरात (Ziggurats):

ये विशाल सीढ़ीनुमा मंदिर मीनारें थीं, जो धार्मिक आस्था, वास्तुकला की उत्कृष्टता और इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक हैं।

राजसमाधियाँ (Royal Tombs):

'उर की राजसमाधियाँ' (Royal Tombs of Ur) से प्राप्त स्वर्णाभूषण, मूर्तियाँ, कलाकृतियाँ और समाधि-सामग्री से राजसी जीवन, अंत्येष्टि संस्कार तथा समाज की संपन्नता का पता चलता है।

पुरातात्त्विक वस्तुएँ (Artifacts):

मृदभांड (Pottery), औज़ार, हथियार, मूर्तियाँ, बेलनाकार मुहरें (Cylinder Seals) आदि कलात्मक एवं तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं। ये व्यापार, धर्म, और दैनिक जीवन के विविध पहलुओं को उजागर करती हैं।

II. साहित्यिक या लिखित स्रोत (Written/Textual Sources):

मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी उपलब्धि उसकी लेखन प्रणाली थी — कीलाक्षर लिपि (Cuneiform Script), जो मानव इतिहास की प्रारंभिक लिखित भाषाओं में से एक थी।

कीलाक्षर पट्टिकाएँ (Cuneiform Tablets):

मिट्टी की पट्टिकाओं पर नुकीले औज़ारों से कीलाकार चिन्हों में लेखन किया जाता था। इन पर प्रशासनिक आदेश, राजवंशीय सूचियाँ, कानूनी दस्तावेज, व्यापारिक लेखे, गणितीय-खगोलीय गणनाएँ, तथा धार्मिक ग्रंथ अंकित होते थे। इनकी विशाल संख्या से मेसोपोटामिया के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन का विस्तृत चित्र प्राप्त होता है।

कानूनी संहिताएँ (Law Codes):

सबसे प्रसिद्ध हम्मुराबी की विधि संहिता (Code of Hammurabi) है, जिसमें विभिन्न अपराधों और दंडों का विस्तृत वर्णन है। यह उस युग के सामाजिक और न्यायिक दृष्टिकोण को समझने का प्रमुख स्रोत है।

महाकाव्य एवं साहित्य (Epics and Literature):

'गिलगमेश महाकाव्य (Epic of Gilgamesh)' सुमेरियन सभ्यता की धार्मिक मान्यताओं, नायकत्व और नैतिक चिंतन का दर्पण है। यह विश्व साहित्य के सबसे प्राचीन ग्रंथों में गिना जाता है।

III. अन्य सहायक स्रोत (Other Sources):

विजय स्तंभ (Victory Steles): पत्थर के बड़े स्तंभों पर शासकों की विजयों और युद्ध अभियानों का चित्रण किया गया है। उदाहरण के लिए 'नाराम-सिन का विजय स्तंभ' उस समय की सैन्य नीति और शासकीय गर्व का प्रतीक है।

मुहरें (Seals): बेलनाकार मुहरें व्यापारिक दस्तावेजों पर प्रयोग की जाती थीं। इन पर उत्कीर्ण चित्रों से धार्मिक प्रतीकों, देवताओं और पौराणिक कथाओं की झलक मिलती है।

विदेशी अभिलेख (Foreign Records): मेसोपोटामिया और अन्य समकालीन सभ्यताओं — जैसे मिस्र, हड़प्पा और ईरान — के बीच हुए व्यापार, सांस्कृतिक और राजनैतिक संबंधों की जानकारी विदेशी अभिलेखों और शिलालेखों से प्राप्त होती है।